History, Degree Part-1, Paper-2, Unit-I

Topic: Industrial Revolution

Dr. Md. Shakil Akhtar, (Lect-16)

क्रांति का ~~वास्तव~~ वास्तविक अर्थ है किसी समाज या राज्य के स्वरूप या मनुष्य के विचारों और दृष्टिकोण में पूर्ण या मौलिक परिवर्तन। औद्योगिक क्रांति जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है - एक औद्योगिक क्षेत्र की क्रांति थी। 18वीं के उत्तरार्द्ध और 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के बीच इंगलैंड में महान आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों की श्रृंखला चली। ये परिवर्तन इतने अधिक विस्तृत, व्यापक और प्रभावोत्पादक थे कि उन्हें 'औद्योगिक क्रांति' की संज्ञा दी गई। 'औद्योगिक क्रांति' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग फ्रांस के समाजवादी नेता ब्लांकी ने 1837 में किया था।

डी. डब्ल्यू. रिकर ने कहा है " The Industrial revolution was the transformation of production and transportation through the general substitution of power machinary for hand labour."

* **सर्वप्रथम इंगलैंड में यह क्रांति हुई, जिसके कई कारण बताए जाते हैं।**

1. **भौगोलिक परिस्थिति**

(a) इंगलैंड के पास अच्छे और ~~अनेक~~ व्यापक अनेक बंदरगाह थे।

(b) इंगलैंड के पास द्वीप होने के कारण बाहरी आक्रमणों

Scanned with CamScanner

से भी सुरक्षित था।

(c) द्वीपों के प्रमुख भाग में कोयला पाया जाता था।

(d) इंग्लैण्ड की नदियाँ विद्युत शक्ति के उत्पादन के लिए अत्यधिक उपयुक्त थीं।

2. <u>सामाजिक तथा राजनीतिक व्यवस्था में परिवर्तन</u> — इस क्रांति का वास्तविक कारण सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था में पाए जाते हैं। 17वीं शताब्दी तक इंग्लैण्ड में व्यापारिक क्रांति हुई जिसके कारण मध्यम वर्ग की शक्ति बढ़ी। मध्यम वर्ग ने 1640 की क्रांति के द्वारा पुरानी राजनीतिक व्यवस्था बदल डाली।

1688 ई० की क्रांति के द्वारा मध्यम वर्ग का समाज और राजनीति पर वर्चस्व स्थापित हो गया।

अतः सामंती शक्ति और प्रतिबंध समाप्त हो गई।

3. <u>पर्याप्त पूंजी</u>

मध्यम वर्ग अब व्यापार और पूंजी बढ़ाने की चेष्टा करने लगे।

1688 और 1750 के बीच का समय का सार पूंजी जमा करना था। इस के तीन स्रोत थे।

(a) सरकार को कर्ज देना, जिसे चुकाने के लिए सरकार लोगों पर टैक्स लादती थी। जिस से व्यापारियों की जेबें भरती थीं।

(b) औपनिवेशिक साम्राज्य के व्यापार पर एकाधिकार कर पूंजी को बढ़ाया। और

(c) 1757 के बाद भारत की लूट से अंग्रेजी व्यापारियों की पूंजी में वृद्धि हुई।

4. **कृषि के क्षेत्र में परिवर्तन :-**

a. सबसे पहले कृषि क्रांति इंग्लैण्ड में हुई।

b. जिस के कारण भूमि की उत्पादन शक्ति बढ़ी, इस अतिरिक्त कृषि उत्पादन से उद्योगों में कार्यरत व्यक्तियों को भोजन की कमी नहीं हुई।

(c) कृषि क्रांति के कारण बहुत लोग भूमिहीन हो गए। वे अब स्वतंत्र मजदूर बन गए।

(d) पूंजी और श्रम शक्ति औद्योगिक क्रांति का सार है।

5. **पर्याप्त उपनिवेश :-** इंग्लैंड के विशाल औपनिवेशिक साम्राज्य का विस्तार भारत तक हो चुका था। जहाँ से कच्चा माल प्राप्त होता था और निर्मित तैयार माल के लिए बाजार भी उपलब्ध था।

6. **वैज्ञानिकों का अभ्युदय** - इसी शताब्दी में इंग्लैण्ड में वैज्ञानिक वर्ग का अभ्युदय हुआ, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में आविष्कार कर औद्योगिक क्रांति को तेजी प्रदान की।

7. **संयुक्त व्यापारिक कंपनियों का गठन** - व्यापार का व्यक्तिगत संगठन में औद्योगिक विकास संभव नहीं था। 17वीं व 18वीं शताब्दी में संयुक्त पूंजी कंपनियों की स्थापना की गयी, जो औद्योगिक विकास में सहायक बनी। उदाहरणस्वरूप — E.E.I.C, South Sea Company, Eastland Company, Levant company.

8. 18वीं शताब्दी के युद्ध और उद्योग धंधे: साम्राज्यवादी युद्धों के परिणाम भी औद्योगिक क्रांति लाने में सहायक हुए। युद्धों में स्थायी और पेशेवर सिपाही नियुक्त किए गए। सिपाही और अन्य लोग विभिन्न उपनिवेशों में फैले हुए थे, जिस से विशेष प्रकार के मालों की आवश्यकता बनी रहती थी।

9. यातायात एवं संवहन संबंधी सुधार — इंगलैण्ड में ही सर्वप्रथम यातायात एवं संचार संबंधी सुधारों का सूत्रपात किया गया। इन सुधारों में भूमि पर सड़कों का निर्माण मैकडम नामक व्यक्ति ने किया। अब पक्की सड़कों का निर्माण किया जाने लगा। वहां सभी प्रमुख शहरों को नहरों द्वारा जोड़ा गया। रेनी, टेलफोर्ड ने पुल के निर्माण की पद्धति में सुधार किया। 1814 में वाष्पचालित इंजन का अविष्कार स्टीफेन्सन ने किया। लिवरपूल तथा मैनचेस्टर के बीच सबसे पहले पैसेंजर रेल चलायी गयी। फुल्टन ने 1807 में वाष्पचालित नौका का अविष्कार किया। इसी काल में मोटरगाड़ियों का अविष्कार हुआ। जिस से यातायात और संवहन के क्षेत्र में क्रांति ने इंगलैण्ड की औद्योगिक क्रांति को सफल बनाया।

अतः इंगलैंड में औद्योगिक क्रांति के लिए परिस्थिति बिल्कुल अनुकूल थी, जो अन्य देशों में नहीं थी।